The Statesman
KOLKATA TUESDAY 29 NOVEMBER 2011

Mr Muthafa Yusof (left), minister counselor (economic affairs) of the High Commission of Malaysia and Mr Deepak Jalan, senior vice-president, MCC, at a seminar in Kolkata on Monday. SNS

THE ECHO OF INDIA
• KOLKATA
Tuesday • November 29, 2011

Discussion on India-Malaysia bilateral trade

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, NOV 28/—/ Malaysia minister counselor (economic affairs) Muthafa Yusof today said there had been a surge in Malaysian private sector initiatives in project-related investments in India.

Speaking at an interactive session organised by Merchant's Chamber of Commerce (MCC) on 'India-Malaysia Bilateral Trade' here, Mr Yusof said as on Dec 31, Malaysia's direct investment in India valued at USD 2.75 billion. "For encouraging professionals from India, Malaysia allows 30 per cent foreign (Indian) equity in architectural, engineering, urban planning and landscape architectural services, 49 per cent. In accounting and book-keeping services, 49 per cent in private hospital services, 100 per cent in welfare services, child day care services and vocational rehabilitation services," he said. The Malaysian minister highlighted on the potential of imports of construction materials, rubber and plastic products, agriculture supplies, communication equipment, palm oil, medical, electrical and telecommunication supplies and participation in real estate sector for India from his country. He also felt that there are good potentials of exports of fruits like mangoes, banana, guava, basmati rice, two-wheelers, textiles and apparels, chemical and pharmaceutical products from India to Malaysia.

MCC vice-president Deepak Jalan opined that Indian companies like IRCON, HMT, EIL, BHEL and IOC have been making sizeable investments in the Malaysian industrial sector since 1970s. He informed that cumulative Indian investments in Malaysia from 1980 to 2010 are in the order of about USD 2.04 billion which are expected to step up significantly after the CECA.

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता . मंगलवार
29.11.2011

एससीसी की ओर से आयोजित परिचर्चा के दौरान मो. युसूफ व अन्य।

भारतीय पेशेवरों को मलेशिया का प्रोत्साहन- युसूफ

कोलकाता. भारत में मलेशिया के दूतावास में आर्थिक मामलों के मिनिस्टर कॉउंसिलर मोहम्मद युसूफ ने बताया कि मलेशिया सरकार ने भारतीय पेशेवरों को प्रोत्साहित करने के लिए आर्कीटेक्चर, इंजीनियरिंग, शहरी योजना और लैण्डस्केप आर्किटेक्चराल सर्विस में 30 प्रतिशत भारतीय भागीदारी की अनुमति दी है। इसके अलावा मलेशिया सरकार ने एकाउटिंग व बूक कीपिंग सर्विस और प्राइवेट हास्पिटल सर्विस में 49 प्रतिशत और जन कल्याण और बाल्य सेवा क्षेत्र में 100 प्रतिशत भारतीय भागीदारी की अनुमति दी है। वे सोमवार को मर्चेन्ट चेम्बर ऑफ कॉमर्स की तरफ से आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे। इससे पहले सीआईआई की तरफ से आयोजित एक परिचर्चा में भी मोहम्मद युसूफ ने हिस्सा लिया। उद्योगपतियों के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मलेशिया की कम्पनियों ने भारत में 70 योजनाओं को मूर्त रूप दिया है। इनमें 3.1 बिलियन अमरीकी डालर निवेश हुआ है। इसके अलावा 16 परियोजनाओं का काम प्रगति पर है।

प्रभात वार्ता
कोलकाता • मंगलवार • 29 नवम्बर 2011

2015 तक भारत व मलेशिया के बीच होगा 15 अरब डॉलर का कारोबार

कोलकाता, संवाददाता

संवाददाताओं को संबोधित करते मलेशिया इंडिया के हाई कमीशनर मुथाफा यूसूफ साथ में हैं एमसीसी के वाइस प्रेसिडेंट दीपक जालान। प्रभात वार्ता

भारत व मलेशिया के बीच द्विपक्षीय कारोबार में लगातार वृद्धि हो रही है, इस द्विपक्षीय कारोबार को वर्ष 2015 तक 15 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी सोमवार को भारत में मलेशिया के मिनिस्टर काउंसेलर (आर्थिक मामला) मुतफा यूसोफ ने मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित कार्यक्रम में दी। उन्होंने बताया कि भारत में अब तक मलेशिया की विभिन्न कंपनियों ने करीब 70 प्रोजेक्ट में मिल कर कार्य संपन्न किया है, जिसकी लागत करीब 3.1 अरब डॉलर है। इसके साथ ही करीब दो अरब डॉलर की 16 योजनाओं पर कार्य अभी जारी है। वर्ष 2010 तक भारत में मलेशिया की विभिन्न कंपनियों ने 2.75 अरब डॉलर का निवेश किया है। उन्होंने मलेशिया में भी भारतीय कंपनियों को निवेश करने का न्यौता दिया। उन्होंने बताया कि अगर भारतीय कंपनियां चाहें तो वहां आर्किटेक्चरल, इंजीनियरिंग, अर्बन प्लानिंग के क्षेत्र में 30 फीसदी, एकाउंटिंग व बुक कीपिंग क्षेत्र में 49 फीसदी, निजी अस्पताल के क्षेत्र में 49 फीसदी व वेलफेयर सर्विस, चाइल्ड डे केयर सर्विस क्षेत्र में 100 फीसदी की हिस्सेदारी लेकर निवेश कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मलेशिया से भारत में कंस्ट्रक्शन पदार्थ, रबड़, प्लास्टिक प्रोडक्ट, कृषि उत्पाद, कम्यूनिकेशन उपकरण, चिकित्सीय, विद्युतीय व टेलीकम्यूनिकेशन के उत्पादों का आयात यहां किया जाता है और यहां से आम, केला, अमरूद, बासमति चावल, दो पहिया वाहन, टेक्सटाइल व एप्पारेल, रसायन, फर्मासिटिकल उत्पादों का निर्यात मलेशिया किया जाता है। इस मौके पर एमसीसी के उपाध्यक्ष दीपक जालान ने बताया कि भारत की इरकॉल, एचएमटी, ईआइएल, भेल व आइओसी जैसी कंपनियां 1970 से वहां निवेश कर रही है। वर्ष 1980 से 2010 तक मलेशिया में भारतीय कंपनियों द्वारा किया गया निवेश बढ़कर 2.04 अरब डॉलर हो गया है।

सन्मार्ग

कोलकाता, मंगलवार
29 नवम्बर 2011

भारत-मलयेशिया व्यापार 15 बिलियन होगा

कोलकाता : भारत और मलयेशिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2015 तक 15 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद जतायी गयी है। मर्चेन्ट्स चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित एक परिचर्चा में मलयेशिया के मिनिस्टर काउंसिलर (आर्थिक मामले) मुतफा युसुफ ने कहा कि 2005-06 तक दोनों दशों का व्यवसाय 3.58 बिलियन अमरीकी डॉलर था जो 2010-11 तक 10.5 बिलियन अमरीकी डॉलर पहुंच गया। 2015 तक इसके 15 बिलियन अमरीकी डॉलर पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इस परिचर्चा में स्वागत भाषण चेंबर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जालान ने दिया। उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

प्रभात खबर

कोलकाता, मंगलवार, 29 नवंबर, 2011

मलयेशिया भारत के साथ कारोबार बढ़ाने को इच्छुक

कोलकाता : डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरती कीमत से जहां भारत सरकार व भारतीय उद्योग जगत चिंतित है, वहीं मलयेशिया इस स्थिति से तनिक भी विचलित नहीं है. महानगर के दौरे पर आये मलयेशियाई के मिनिस्टर कौंसिलर (वित्तीय मामले) मुस्तफा युसूफ ने कहा कि इस स्थिति के बावजूद उनका देश भारत के साथ अपने व्यावसायिक संबंधों को जारी रखेगा. युसूफ ने कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि रुपये की वर्तमान स्थिति का मलयेशिया से भारत को होनेवाले आयात पर कितना असर पड़ा है, पर उन्हें नहीं लगता कि इसका कोई खास प्रभाव दोनों देशों के कारोबार पर पड़ेगा. मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए युसूफ ने कहा कि उनके देश की मुद्रा को भी कुछ ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए रुपये की वर्तमान स्थिति से वे लोग कोई खास चिंतित नहीं हैं. उन्होंने कहा कि भारत के साथ वर्षों से मलयेशिया के आर्थिक, कुटनीतिक व सांस्कृतिक रिश्ते हैं. इस संबंध को और भी मजबूत करना है. जनवरी-सितंबर 2011 के दौरान दोनों देशों के बीच 9.3 बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यवसाय हुआ. मलयेशिया को इस वर्ष के अंत तक द्विपक्षीय व्यवसाय 11 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है. उन्होंने बताया कि मलयेशिया में दो मिलियन से अधिक भारतीय काम कर रहे हैं, जबकि 200 से अधिक भारतीय कंपनियां मलयेशिया में व्यवसाय कर रही हैं. लगभग 70 मलेशियाई कंपनियों ने भारत में निवेश किया है. इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल, फार्मास्युटिकल, पेट्रोलियम, आइटी समेत कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें कारोबार की अपार संभावनाएं हैं.

जमशेदपुर, 30 नवंबर 2011

दैनिक जागरण

भारत-मलेशिया द्विपक्षीय व्यापार पर कमजोर रुपये का असर नहीं

वार्ता सत्र में बोलते मलेशियाई उच्चायोग के अधिकारी। जागरण

कोलकाता, जागरण संवाददाता : अमेरिकी डालर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट का असर भारत और मलेशिया के बीच व्यापार पर पड़ने की संभावना नहीं है। यह जानकारी भारत में मलेशियाई उच्चायोग के आर्थिक मामलों के पदाधिकारी मुथफा युसुफ ने दी। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी तक रुपये में गिरावट का असर मलेशिया से भारतीय आयात पर स्पष्ट नहीं है, लेकिन उन्हें कोई खास असर नहीं दिखता। इन दिनों मलेशियाई मुद्रा में भी कुछ गिरावट आई है। इसीलिए दोनों देशों की हालत में काफी समानता है। इस वर्ष अमेरिकी डालर की तुलना में भारतीय रुपया अब तक 16 प्रतिशत गिरा है, जबकि जनवरी-सितम्बर के बीच भारत व मलेशिया के बीच 9.3 बिलियन अमेरिकी डालर का व्यापार हुआ है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस वर्ष दोनों देशों के बीच का व्यापार 11 बिलियन अमेरिकी डालर पार कर जाएगा। 2010 में दोनों देशों के बीच साझा व्यापार 8.9 बिलियन डालर का था। इनमें सिर्फ पाम आयल का व्यापर 1.2 मिलियन डालर का था, जो भारत मलेशिया से सबसे अधिक आयात करता है। मर्चेंट चेंबर आफ कामर्स की तरफ से आयोजित वार्ता सत्र में युसुफ ने कहा कि भारत में मलेशियाई कंपनियां भारत बहुत बेहतर काम कर रही है। इस अवसर पर मर्चेंट चेंबर आफ कामर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जालान ने कहा कि मलेशिया के औद्योगिक क्षेत्र में भारतीय कंपनियां 1970 से निवेश करती आ रही हैं, जो दिन ब दिन बढ़ती जा रही है।

भारतमित्र

कोलकाता, मंगलवार, 29 नवम्बर, 2011

भारत-मलेशिया में व्यवसाय की काफी संभावना

मर्चेंट्स चेंबर आफ कामर्स की ओर से आयोजित परिचर्चा में मलेशिया के उपायुक्त मुताफा इंसूफ एवं चेंबर के उपाध्याक्ष दीपक जालान (चित्र-भारतमित्र)

कोलकाता, 28 नवंबर (निज संवाददाता)। मलेशिया के उपायुक्त मुताफा इंसूफ ने आज कहा कि भारत एवं मलेशिया में व्यवसाय की काफी उम्मीदें हैं। मर्चेंटस चेंबर आफ कामर्स की ओर से आयोजित परिचर्चा में उन्होंने कहा कि मलेशिया की कंपनी ने 70 से अधिक परियोजनाओं में निवेश किया है। इसमें से 16 परियोजनाओं पर 2.0 बिलियन निवेश होने की संभावना है। मलेशिया का भारत में सीधा निवेश 2.7 बिलियन है। उन्होंने कहा कि मलेशिया भारत में रबड़, प्लास्टिक उत्पाद, कृषि उत्पादन, पाम आयल, मेडिकल, इलेक्ट्रि सामान निर्यात हो रहा है। उन्होंने कहा कि आम, केला, बासमती चावल, दो चक्के वाहन, कपड़े आदि भारत से मलेशिया को निर्यात किया जा रहा है। इससे पहले चेंबर के उपाध्यक्ष दीपक जालान ने स्वागत भाषण दिया।

जनसत्ता, कोलकाता, 29 नवंबर, 2011

व्यापार संभावनाओं पर संगोष्ठी संपन्न

कोलकाता, 28 नवंबर (जनसत्ता)। महानगर की प्रमुख बिजनेस संस्था मर्चेंट चैंबर ऑफ कामर्स (एमसीसी) की ओर से सोमवार को भारत व मलेशिया के बीच व्यापार संभावना पर केंद्रित एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भारत में मलेशिया के हाई कमिश्नर मुतफा यूसुफ ने कहा कि मलेशिया में हाल के समय में निजी सेक्टर की कंपनियों द्वारा निवेश की मात्रा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों ने भारत में भी कई परियोजनाओं में निवेश की पहल की है। उन्होंने कहा कि भारत के निर्माण के क्षेत्र में ऐसी 70 परियोजनाओं शुरू की गई हैं जिन पर 3.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च होने का अनुमान है। इस मौके पर एमसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जालान ने स्वागत भाषण दिया।